02

युवा पार्टी से नशे जैसी कुरीतियों को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें : राहुल अंबावता

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04

मानव सेवा समिति ने वितरित किए 401 कंबल

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, रविवार, 15 जनवरी 2023

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

विक्रमी संवत 2079, अमांत-पौष, कृष्ण पक्ष अष्टमी, मूल्य, 2.00 रुपए

कार्यक्रम

बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्रासंगिकता से कराया अवगत

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के अंग्रेजी विभाग द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णकांत गुप्ता, प्राचार्य, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ रहे। अपने संबोधन में उन्होंने मकर संक्रांति के अवसर पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने संकाय सदस्यों को बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्रासंगिकता से अवगत कराया और इसे समकालीन समय में समझने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) की तीन शर्तों पर ध्यान केंद्रित किया और बताया कि शिक्षाविदों और छात्रों के लिए इसका अत्यधिक महत्व क्यों है। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अश्विनी सिवाल, सहायक प्रोफेसर विधि संकाय, दिल्ली

कार्यशाला में स्वागत करते हुए। आज समाज

विश्वविद्यालय और बौद्धिक संपदा अधिकारों के विशेषज्ञ रहे। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों और इसकी वैधता पर बात की। उन्होंने इस विषय पर प्रकाश डाला कि संस्थान को बौद्धिक संपदा अधिकारों का प्रबंधन कैसे करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से विभिन्न प्रकार की बौद्धिक संपदा और वास्तविक परिदृश्य में उनके आवेदन का वर्णन किया। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों और साथ अन्य संबंधित विषयों जैसे पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, व्यापार रहस्य आदि के अर्थ में अधिक अंतर्दृष्टि और स्पष्टता देने के लिए कई व्यावहारिक उदाहरण दिए। आईपीआर की ऐतिहासिक उत्पत्ति पर भी चर्चा की गई। ऑडियंस के प्रश्नों व उनके जवाब के साथ सत्र का समापन हुआ। कार्यशाला में फिजिकल मोड में 55 प्रतिभागियों और ऑनलाइन मोड में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य, डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यशालामें विभागाध्यक्षा अंग्रेजी कमल टंडन, संयोजक डॉ. सारिका कांजलिया, डॉ. गीता गुप्ता, डॉ. इन्दवर चौधरी, सुभाष कैलोरिया, डॉ. दीप्ति गोयल, विजया व शैली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।